

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,

दून विश्वविद्यालय

देहरादून ।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक २२ अगस्त, 2009

विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष प्रथम किश्त अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या : 31/वी०सी०डी०यू०/2009 दिनांक 24, अप्रैल 2009, पत्र संख्या : 37/04/वी०सी०डी०यू०/2009 (एफसी) दिनांक 5, मई 2009 एवं पत्र संख्या : 192/एफसी-डीयू/2009/04 दिनांक 8, अगस्त 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आलोच्य वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के आयोजनागत पक्ष में दून विश्वविद्यालय के सामान्य कार्यकलापों के लिए प्राविधानित धनराशि रुपये 05 करोड़ (रुपये पाँच करोड़ मात्र) के सापेक्ष संलग्नक में अंकित विवरणानुसार प्रथम किश्त के रूप में रुपये 1,66,67,000/— (रुपये एक करोड़ छियासठ लाख सत्सठ हजार मात्र) की धनराशि निम्नांकित प्रतिबन्धों के साथ व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- वर्तमान वित्तीय वर्ष में अतिरिक्त मांग के समय औचित्य स्पष्ट करते हुए अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के समान ही मदवार फॉट शासन से अनुमोदित करायी जानी होगी । अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि व्यय नहीं की जायेगी । व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, डी०जी०एस०एण्डडी० की दर तथा यह दर निश्चित न होने पर टण्डर/कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जाना होगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा, कय की गयी सामग्री का अंकन स्टॉक रजिस्टर में किया जायेगा जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा । कम्प्यूटर आदि के कय के सम्बन्ध में आई०टी० विभाग/नवीनतम शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

3- स्वीकृत की गयी धनराशि उपनिदेशक, उच्च शिक्षा, शिविर कार्यालय देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरांत विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी ।

4- स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा ।

5— व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है ।

6— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-आयोजनागत-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों की सहायता-05-दून विश्वविद्यालय-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।

(7) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या -321(P)/xxvii(3)/2009 दिनांक 17 अगस्त-2009 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं ।

संलग्नक : यथोपरि ।

भवदीय

(डा० राकेश कुमार)
सचिव

पृष्ठांकन संख्या : 124/VIII/XXIV(6)/2009 दिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी ।
3. कोषाधिकारी, देहरादून ।
4. उपनिदेशक, उच्च शिक्षा, शिविर कार्यालय, देहरादून ।
5. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून ।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग उत्तराखण्ड शासन ।
7. मिजी सचिव नग० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन ।
8. धनराज राजकोषीय, नियोजन एवं सहायन सचिवालय, देहरादून ।
9. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,

(पी०एल० शाह)
उप सचिव ।

शासनादेश संख्या : /xxiv(6)/2009 दिनांक अगस्त, 2009 का संलग्नक :-

क्र०सं०	कोड/मानक मद	धनराशि (हजार रुपये में)
1.	18 प्रकाशन	200
2.	19 विज्ञापन बिक्री और विज्ञापन व्यय	700
3.	26 मशीनें साजसज्जा/उपकरण	7467
4.	39 औषधी तथा रसायन	500
5.	42 अन्य व्यय	2800
6.	46 कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	5000
	योग :	16667

(रुपये एक करोड़ छियासठ लाख सरसठ हजार मात्र)


(पी०एल० शाह)
उप सचिव ।